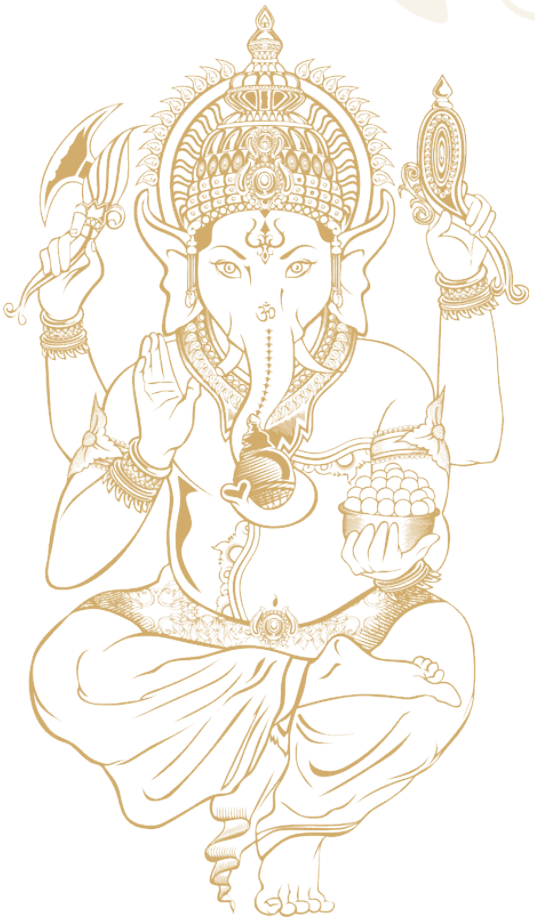

Urjita

24 May 2006

12:40 PM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121081404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/05/2006**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:40:00 घंटे**
इष्ट	18:04:29 घटी
स्थान	**Agra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:22:00 घंटे
वेलान्तर	00:03:12 घंटे
साम्पातिक काल	04:29:00 घंटे
सूर्योदय	05:26:12 घंटे
सूर्यास्त	19:03:43 घंटे
दिनमान	13:37:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:02:43 वृष
लग्न के अंश	15:50:09 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	15:50:09	318:45:28	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	---
सूर्य			वृष	09:02:43	00:57:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	00:49:32	14:12:22	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	29:45:22	00:35:55	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
बुध		अ	वृष	15:42:36	02:09:13	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	17:38:36	00:06:41	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	29:58:14	01:09:38	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि			कर्क	12:28:27	00:04:46	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	08:45:10	00:02:52	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	08:45:10	00:02:52	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:30:38	00:01:15	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:52:13	00:00:03	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	02:04:17	00:01:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	15:00:34	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:45

लग्न-चलित

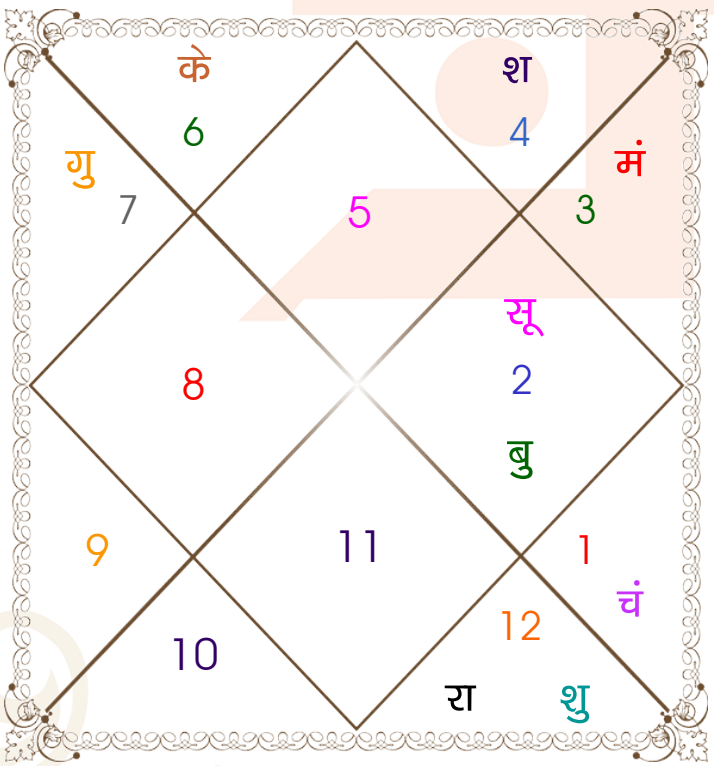

चन्द्र कुंडली

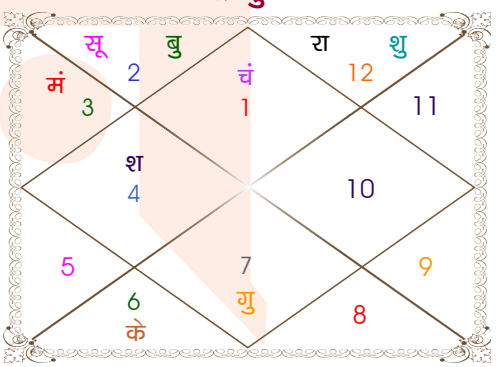

नवमांश कुंडली

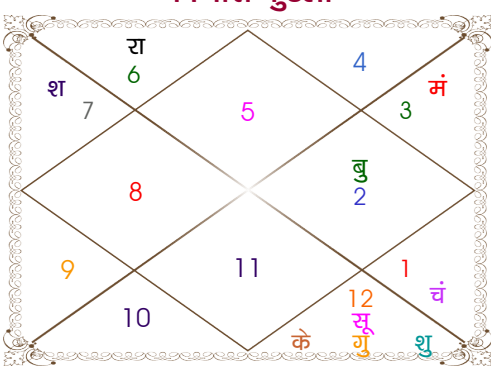

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 6 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/05/2006		16/12/2012		16/12/2032		17/12/2038		16/12/2048	
16/12/2012		16/12/2032		17/12/2038		16/12/2048		17/12/2055	
	24/05/2006	शुक्र	17/04/2016	सूर्य	05/04/2033	चंद्र	17/10/2039	मंगल	15/05/2049
शुक्र	15/07/2007	सूर्य	17/04/2017	चंद्र	05/10/2033	मंगल	17/05/2040	राहु	02/06/2050
सूर्य	20/11/2007	चंद्र	17/12/2018	मंगल	10/02/2034	राहु	16/11/2041	गुरु	09/05/2051
चंद्र	20/06/2008	मंगल	16/02/2020	राहु	04/01/2035	गुरु	18/03/2043	शनि	17/06/2052
मंगल	16/11/2008	राहु	16/02/2023	गुरु	23/10/2035	शनि	17/10/2044	बुध	14/06/2053
राहु	05/12/2009	गुरु	17/10/2025	शनि	04/10/2036	बुध	18/03/2046	केतु	10/11/2053
गुरु	10/11/2010	शनि	16/12/2028	बुध	11/08/2037	केतु	17/10/2046	शुक्र	10/01/2055
शनि	20/12/2011	बुध	17/10/2031	केतु	17/12/2037	शुक्र	17/06/2048	सूर्य	18/05/2055
बुध	16/12/2012	केतु	16/12/2032	शुक्र	17/12/2038	सूर्य	16/12/2048	चंद्र	17/12/2055

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/12/2055		17/12/2073		17/12/2089		17/12/2108		18/12/2125	
17/12/2073		17/12/2089		17/12/2108		18/12/2125		00/00/0000	
राहु	29/08/2058	गुरु	04/02/2076	शनि	20/12/2092	बुध	16/05/2111	केतु	16/05/2126
गुरु	22/01/2061	शनि	17/08/2078	बुध	30/08/2095	केतु	12/05/2112	शुक्र	25/05/2126
शनि	29/11/2063	बुध	22/11/2080	केतु	07/10/2096	शुक्र	13/03/2115		00/00/0000
बुध	17/06/2066	केतु	29/10/2081	शुक्र	08/12/2099	सूर्य	18/01/2116		00/00/0000
केतु	06/07/2067	शुक्र	29/06/2084	सूर्य	20/11/2100	चंद्र	18/06/2117		00/00/0000
शुक्र	06/07/2070	सूर्य	17/04/2085	चंद्र	21/06/2102	मंगल	15/06/2118		00/00/0000
सूर्य	30/05/2071	चंद्र	17/08/2086	मंगल	31/07/2103	राहु	02/01/2121		00/00/0000
चंद्र	28/11/2072	मंगल	24/07/2087	राहु	06/06/2106	गुरु	10/04/2123		00/00/0000
मंगल	17/12/2073	राहु	17/12/2089	गुरु	17/12/2108	शनि	18/12/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 6 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।